मिलीभगत खदान से चोरी की मिट्टी रेलवे में खपाई, अधिकारियों की मिलीभगत पर उठे सवाल

अमलाई में 'कोयला माफिया' का खेल बेनकाब

नवभारत, अमलाई । जिले के अमलाई क्षेत्र में अवैध उत्खनन का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने प्रशासन और विभागीय तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि कोल इंडिया की खदानों से ओवरबर्डन मिट्टी को चोरी-छिपे निकालकर अमलाई रेलवे स्टेशन पर बन रहे प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य में धड़ल्ले से डाला जा रहा था। यह पूरा खेल पिछले दो दिनों से लगातार चल रहा था, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे रहे।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक एसीईसीएल की खदानों से बिना किसी वैध अनुमति के मिट्टी निकाली जा रही थी और ट्रैक्टर व मेटाडोर के जरिए उसे सीधे रेलवे स्टेशन तक पहुंचाया जा रहा था। इस काम में लाखों रुपये का खेल बताया जा रहा है, जहां करीब 8 से 10 लाख रुपये के भराई कार्य के नाम पर अवैध उत्खनन को अंजाम दिया जा रहा था।

सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इस पूरे खेल में नगर परिषद बरगवां-अमलाई की जेसीबी मशीन का इस्तेमाल किया गया। इससे यह संदेह और गहरा हो जाता है कि यह कोई छोटा-मोटा खेल नहीं, बल्कि सत्ता और सिस्टम की मिलीभगत से चल रहा संगठित अवैध कारोबार है। आरोप सीधे तौर पर नगर परिषद के उपाध्यक्ष राज तिवारी पर लगाए जा रहे हैं, जिनके इशारे पर यह पूरा काम होने की बात कही जा रही है। मामले की भनक लगते ही भाजपा नेता और युवा पार्षद पवन चीनी अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और जमकर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने साफ आरोप लगाया कि खदान से चोरी की गई मिट्टी को सरकारी निर्माण कार्य में खपाया जा रहा है, जो पूरी तरह गैरकानूनी है। यह भी सामने आया है कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि पिछले वर्ष भी इसी तरह का मामला सामने आ चुका है, लेकिन तब भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

मौके पर मौजूद जेसीबी चालक राशिद खान ने जो खुलासा किया, उसने पूरे मामले की पोल खोल दी। चालक के अनुसार उसे मशीन लेकर मिट्टी निकालने के लिए भेजा गया था, जबकि इस कार्य की कोई अधिकृत एंट्री नगर परिषद में नहीं है। उसने यह भी स्वीकार किया कि इस तरह के काम पहले भी कराए जाते रहे हैं, जो पूरी तरह नियमों के खिलाफ हैं।

सूचना मिलते ही एसीईसीएल के एरिया सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। सर्वे विभाग ने भी पुष्टि की कि जिस स्थान से मिट्टी निकाली जा रही थी, वह सोहागपुर एरिया के अंतर्गत आता है और वहां से इस तरह का उत्खनन पूरी तरह अवैध है। इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से बचते नजर आ रहे हैं। नगर परिषद बरगवां-अमलाई के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने साफ कहा कि उन्हें इस कार्य की कोई जानकारी नहीं है और यह इंजीनियर स्तर का मामला हो सकता है। वहीं रेलवे विभाग के आईओडब्ल्यू प्रभारी अरविंद ने भी अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि यदि कोई ठेकेदार अवैध कार्य करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब इतने बड़े पैमाने पर अवैध उत्खनन और परिवहन हो रहा था, तब संबंधित विभागों को इसकी भनक तक कैसे नहीं लगी? क्या यह सिर्फ लापरवाही है या फिर सुनियोजित चुप्पी?

सरकारी खदानों से संसाधनों की लूट पर लगाम कब लगेगी

सूत्रों ने इस मामले को और गंभीर बना दिया है। दावा किया जा रहा है कि अमलाई ओसीएम के कुछ अधिकारी भी इस अवैध उत्खनन में शामिल हैं, जो मोटी रकम लेकर आंखें मूंदे हुए हैं और अन्य कर्मचारियों पर भी चुप रहने का दबाव बना रहे हैं। यही वजह है कि अमलाई ओसीएम बार-बार विवादों और घटनाओं में घिरती रही है।

फिलहाल कोल इंडिया के अधिकारियों द्वारा देवहरा थाना में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी की जा रही है। अब पूरे मामले में कार्रवाई की जिम्मेदारी पुलिस और खनिज विभाग पर है।

यह घटना एक बार फिर यह सवाल खड़ा करती है कि आखिर सरकारी खदानों से संसाधनों की इस खुलेआम लूट पर लगाम कब लगेगी? और कब तक जिम्मेदार अधिकारी 'जानकारी नहीं है' कहकर अपनी जिम्मेदारी से बचते रहेंगे?

अमलाई में चल रहा यह अवैध खेल केवल मिट्टी का नहीं, बल्कि सिस्टम की सड़ांध का प्रतीक बन चुका है—जहां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफे का खेल खेला जा रहा है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा से महिलाएं होंगी और अधिक सशक्त : अर्चना

हब फॉर एंपावरमेंट ऑफवीमेन अंतर्गत आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

नवभारत शहडोल । महिला एवं बाल विकास विभाग शहडोल के तत्वाधान में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफवीमेन अंतर्गत शासकीय इंदिरा गांधी महाविद्यालय शहडोल में लैगिंक संवेदीकरण आधारित संभाग स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डिप्टी कलेक्टर अर्चना मिश्रा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण तभी संभव है जब आप अपने पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा को संतुलित रूप से ध्यान रखते हुये विकास के पथ पर अग्रसर हो सकती है।

शिक्षित होकर बाल विवाह, भ्रूण हत्या जैसी कुप्रथा को खत्म कर सकती है और राष्ट्र की उन्नति में योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं एवं बलिकाओं को बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं, लाडली लक्ष्मी योजना एवं लाडली बहना योजना के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किये जा रहे है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संयुक्त संचालक, मनीषा लुम्बा द्वारा हब फॉर एंपावरमेंट ऑफवीमेन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता का कार्यक्रम जैसे की साइबर क्राइम से सुरक्षा, आत्मरक्षा, करियर काउंसलिंग, वन स्टॉप सेंटर के बारे में जानकारी दिया जाता है ताकि महिलाएं और बालिकाएं समाज में सुरक्षित रह सके।

कई बड़े शहरों में वर्किंग वूमेन हॉस्टल है जिसमें महिलाएं और बालिकाएं रहकर अपना कार्य निर्भीक रूप से कर सके और सुरक्षित रह सके। महाविद्यालय में विधार्थियों के लिये प्रश्नोंत्तरी एवं तत्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके विषय समसामायिक एवं बेटी बचाओं बेटी पढाओं, लाडली लक्ष्मी योजना, वन स्टॉप सेन्टर, महिला सशक्तिकरण भारत की आधारशिला है, संतुलित आहार, सोशल मीडिया कितना उपयोगी है, एनिमिया, पोषक तत्व आदि विषयो पर बच्चें ने अपने विचार वयक्त किये सभी विजेता बच्चों का पुरूस्कार दिया गया है। इस अवसर पर सदस्य किशोर न्याय बोर्ड संगीता निगम, सहायक संचालक संजीता भगत, महाविद्यालय के डॉ यमुना धुर्वे, डॉ सुनीता सिंह मरकाम सहित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

अमलाई ओसीएम में मजदूरों का शोषण चरम पर

बहाली की मांग को लेकर एचएमएस यूनियन की हड़ताल शुरू

नवभारत अमलाई। अमलाई ओसीएम में मजदूरों के शोषण और मनमानी के खिलाफ अब आवाज बुलंद हो चुकी है। कोयला मजदूर सभा (एच.एम.एस.) के बैनर तले मजदूरों ने पूर्व कर्मचारियों की बहाली और अन्य मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि मजदूरों का गुस्सा अब सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गया है। मामला चेन्नई ढोलू के पूर्व कर्मचारियों, वीटीसी, मेडिकल और बर्खास्त किए गए आठ कर्मचारियों की बहाली से जुड़ा है। यूनियन का आरोप है कि इन कर्मचारियों को अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, जबकि उनकी जगह पर कंपनी अपने चहेते लोगों को बैठा रही है।

अमलाई ओसीएम में ओवरबर्डन (ओबी) हटाने का कार्य कर रही केटीसी कंपनी पर गंभीर आरोप लग रहे हैं। मजदूरों का कहना है कि कंपनी लगातार श्रमिकों का शोषण कर रही है। न तो पुराने अनुभवी कर्मचारियों को दोबारा काम दिया जा रहा है और न ही वर्तमान में कार्यरत मजदूरों को

किसी प्रकार की सुरक्षा या स्थायित्व मिल रहा है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि मजदूरों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कई कर्मचारियों ने बताया कि उनके पास बच्चों की स्कूल फीस भरने तक के पैसे नहीं हैं और परिवार भूखमरी की कगार पर पहुंच चुका है। बावजूद इसके कंपनी प्रबंधन को मजदूरों की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है।

यूनियन ने आरोप लगाया है कि केटीसी कंपनी केवल अपने स्वार्थ सिद्धि में लगी हुई है और उसने अपने चहेते लोगों की 'फौज' खड़ी कर रखी है। योग्य और मेहनतकश मजदूरों को दरकिनार कर पक्षपात और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे पूरे श्रमिक वर्ग में भारी आक्रोश है। कोयला मजदूर सभा (एच.एम.एस.) ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली नहीं होती और मजदूरों के साथ हो रहे अन्याय पर रोक नहीं लगती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यूनियन नेताओं का कहना है कि यह सिर्फ नौकरी की लड़ाई नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खदान प्रबंधन और ठेका कंपनियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक मजदूरों के हक का हनन होता रहेगा और जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने रहेंगे? अमलाई ओसीएम में शुरू हुई यह हड़ताल अब केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं रही, बल्कि यह मजदूरों के अधिकारों की बड़ी लड़ाई बनती जा रही है, जिसका असर आने वाले दिनों में और व्यापक रूप ले सकता है।

जल स्रोतों को बचाना है, धरा का श्रृंगार बढ़ाना है

शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत

शहडोल । जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में शहडोल जिले में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण, पुनर्जीवन एवं स्वच्छता सुनिश्चित कर जल संकट से निपटने के लिए ठोस पहल करना है।चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा के पावन अवसर पर जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत झगरहा के ग्राम अन्तरा स्थित प्रसिद्ध कंकाली देवी मंदिर प्रांगण में प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई के साथ अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्रशासन एवं समाज के सहयोग से संचालित इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए श्रमदान किया।

इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि धरती को हरियाली की चादर पहनाने हेतु जल स्त्रोंतो का संरक्षण आवश्यक है। जल है तो कल है, जल का काई विकल्प नहीं है। वर्षा के जल एवं जल स्त्रोतों का संरक्षण करके ही जल संवर्धन कर सकते हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चैत्र प्रतिपदा से प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 30 जून तक सरकार एवं समाज की सहभागिता से संचालित किया जाना है। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पुराने जल स्त्रोंतों कुआं, तालाब, बावड़ी, स्टाप डैम आदि का जीर्णोद्धार, नदी नालों, की साफ-सफाई एवं पुनर्जीवन देने का कार्य किए जा सकते हैं।

सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले भर में जन जागरूकता अभियान नवीन जल संरचनाओं के निर्माण, भू जल संवर्धन तथा जल संरचनाओं की साफ-सफाई तथा नवीनी करण, जल स्त्रोंतों को प्रदूषण मुक्त बनाने सिंचाई जलाशयों एवं नहरों की मरम्मत, जैसे कार्य किए जाएंगे। आपने कहा कि नई निर्मित जल संरचनाओं एवं पुरानी जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेख में दर्ज करने का कार्य भी किया जाएगा।

सौहार्द की सरगम में बंधा धनपुरी : राम नवमी, ईद, चेटीचंड और हनुमान जयंती को लेकर शांति समिति की सार्थक पहल

नवभारत, धनपुरी। त्योहार केवल तिथियों का क्रम नहीं होते, वे समाज की आत्मा में रची-बसी संस्कृति, परंपरा और आपसी प्रेम का जीवंत उत्सव होते हैं। इसी भावना को साकार करने के उद्देश्य से धनपुरी पुलिस द्वारा आगामी राम नवमी, ईद, चेटीचंड और हनुमान जयंती जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने हेतु शांति समिति की एक गरिमामयी बैठक का आयोजन किया गया।

धनपुरी थाना परिसर में आयोजित इस बैठक का दृश्य मानो विविधताओं में एकता की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर रहा था। यहां विभिन्न धर्मों के धर्मगुरु, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और नगर के प्रबुद्ध नागरिक एक ही मंच पर एकत्रित हुए, जहां विचारों की विविधता के बीच एकता का मधुर स्वर गूंजता नजर आया। बैठक का मूल उद्देश्य केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक विरासत को सहेजना था, जो सदियों से भारत की पहचान रही है। राम नवमी की आस्था, ईद की भाईचारे की भावना, चेटीचंड की सांस्कृतिक गरिमा और हनुमान जयंती की श्रद्धा—इन सभी पर्वों को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प इस बैठक में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पुलिस अधिकारियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि त्योहारों का वास्तविक अर्थ तभी पूर्ण होता है, जब वे शांति, अनुशासन और आपसी विश्वास के साथ मनाए जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन इसमें आमजन की सहभागिता उतनी ही आवश्यक है। धर्मगुरुओं और सामाजिक प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखते हुए समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों या भ्रामक सूचनाओं से दूर रहें, विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से फैलने वाली असत्य बातों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि धनपुरी की पहचान हमेशा से सौहार्द, सहिष्णुता और भाईचारे की रही है, जिसे बनाए रखना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर यह भी रेखांकित किया गया कि त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम होते हैं। ऐसे में यदि कोई भी तत्व समाज में वैमनस्य फैलाने का प्रयास करता है, तो उसे सामूहिक रूप से नकारना आवश्यक है।

पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से किया आग्रह

पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से आग्रह किया कि यदि कहीं भी कोई संदिग्ध गतिविधि या विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। साथ ही, जुलूस, नमाज और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान निर्धारित नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील भी की गई, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। धनपुरी पुलिस ने यह भरोसा भी दिलाया कि आगामी त्योहारों के दौरान सुरक्षा के व्यापक और सुदृढ़ इंतजाम किए जाएंगे। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी और पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहेगा, ताकि हर नागरिक निश्चिंत होकर अपने-अपने पर्वों का आनंद ले सके। बैठक का समापन एक सकारात्मक और प्रेरणादायी संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित सभी लोगों ने मिलकर यह प्रतिज्ञा की कि वे धनपुरी की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को अक्षुण्ण बनाए रखेंगे। यह बैठक केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं थी, बल्कि यह उस सामूहिक चेतना का प्रतीक थी, जो हमें विविधताओं के बावजूद एक सूत्र में बांधती है। धनपुरी ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि जब समाज और प्रशासन साथ खड़े होते हैं, तब हर त्योहार केवल उत्सव नहीं, बल्कि एकता और भाईचारे का पर्व बन जाता है।

विकास खंड ब्यौहारी सेक्टर आखेटपुर में प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

ब्यौहारी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा प्रस्फुटन समितियों के क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्यौहारी विकासखंड मे सेक्टर आखेटपुर कृमाक (01) स्थान भमरहा प्रथम में कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 18.03.2026 को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत व्यौहारी की अध्यक्ष आकांक्षी सिंह,जनपद सदस्य हरिशरण चतुर्वेदी, सामाजिक कार्यकर्ता प्रीतू सिंह, विकासखंड समन्वयक शिवदत्त उरमलिया, अभिमन्यु सिंह, प्रशिक्षक सरस्वती चंद्र पाण्डेय,सचिव राजेंद्र सोनी, रामसुहावन पटेल,प्रश्नफुटन समिति के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्य समिति

खड्डा, देवगांव, पपरेडी, बोचरो, सरवाहीकला के उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों का स्वागत बंदन, अतिथियों का उद्बोधन किया गया, अतिथियों द्वारा समितियों के क्षमता वर्धन हेतु उद्बोधन दिया गया। परामर्शदाता सरस्वती चंद्र विद्या द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की परिकल्पना अवधारणा एवं स्वैच्छिकता, सामूहिकता, स्वावलंबन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया, आदरणीय ब्लॉक समन्वयक महोदय द्वारा समग्र ग्राम विकास की अवधारणा पर प्रशिक्षण दिया गया,यमुना प्रसाद नापित द्वारा एनजीओ का रजिस्ट्रेशन, पंजीयन, प्रबंधन एवं दस्तावेजीकरण विषय पर प्रशिक्षण दिया।

मोहन राम तालाब में गूंजा स्वच्छता का संदेश

शहडोल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देश तथा कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा आज मोहन राम तालाब में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान को नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम

जायसवाल एवं उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा (डोली) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उल्लेखनीय है कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जाएगा। इसी क्रम में गुरुवार सुबह 8 बजे मोहन राम तालाब में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पूजा सामग्री कुंड सहित तालाब परिसर की सामूहिक साफ-सफाई की गई। अभियान में पार्षद विकास तिवारी, हीरालाल प्रजापति, पूर्व पार्षद प्रभात पांडे सहित नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी और स्वच्छता मित्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर तालाब को स्वच्छ बनाते हुए जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम जनपद पंचायत सोहागपुर सभागार में आयोजित किया गया कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम

विक्रमादित्य ने सुशासन के प्रतिमान स्थापित किए : विधायक जैतपुर

सम्राट विक्रमादित्य नाटक का किया गया मंचन

शहडोल । नव सत संवत्सर एवं नव वर्ष सृटि के आरंभ दिवस का पर्व हर्सोल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। आज से नव संवत और भारतीय नव वर्ष प्रारंभ हो गया है। विक्रम संवत आज 2083 में प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी के मुध्य आतिथ्य में जनपद पंचायत सोहागपुर के सभागार में कोटि सूर्य उपासना कार्यक्रम एवं सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित नाट्य का मंचन किया गया। महाराजा विक्रमादित्य शोत पीठ, संकृति विभाग मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल तथा जिला प्रशासन के सहायोग से सम्पूर्ण नाट्य एवं लोक कला समिति शहडोल के कलाकारों द्वारा नाटक का मंचन किया गया। जिसका निर्देशन स्थानीय कलाकार लकी

चतुर्वेदी ने संगीत अभिषेक त्रिपाठी ने तथा सह निर्देशन प्रसन्न सोनी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जयसिंह मरावी, कमिश्नर सुरभि गुप्ता, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति द्वारा विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच ब्रह्मध्वज की स्थापना की गई। इस पावन अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने सूर्योपासना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना की। ब्रम्हध्वज हमे सदैव एकजुट रहकर देश-प्रदेश की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक जयसिंह मरावी ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल न्याय, धर्म, कला और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध रहा। उन्होंने एक संगठित प्रशानिक प्रणाली विकसित की जिसमें न्याय व्यवस्था, अर्थव्यवस्था, रक्षा व्यवस्था, और शिक्षा को विशेष महत्व दिया। विक्रमादित्य अपने निष्पक्ष न्याय के लिए प्रसिद्ध थे। वे स्वयं जनता के मामलों को सुनते थे और उचित निर्णय लेते थे। उनकी न्याय प्रियता के कारण ही वे लोकगाथाओं में धर्म संरक्षक कहे गए। विक्रमादित्य के शासन काल में भारतीय साहित्य, ज्योतिषि, गणित और चिकित्सा विज्ञान का उल्लेखनीय विकास

विक्रमादित्य सभी धर्मों का सम्मान करते थे

विक्रमादित्य सभी धर्मों का सम्मान करते थे। उनके शासन काल में मंदिरों, विहारों और शिक्षा केन्द्रों का निर्माण हुआ। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर अमृता गर्ग, जनपद पंचायत अध्यक्ष सोहागपुर हीरावती कोल, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, परियोजना समन्वयक ग्रामीण आजीविका परियोजना, जिला खनिज अधिकारी, पत्रकार दिनेश अग्रवाल, गोपालदास बंसल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, ग्रामीणजनों ने श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय तथा आभार प्रदर्शन डीपीसी अमरनाथ ने किया।

14 से 15 वर्षीय बच्चियों को एचपीवी का जीवनरक्षक टीका अवश्य लगवाएं

शहडोल । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि जिले में 28 फरवरी से 31 मई 2026 तक राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है जिसमे 14 से 15 वर्षीय बेटियो को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी का टीका लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 18 मार्च 2026 तक की स्थिति में जिले में अभी तक 1066 बच्चियो को सर्वाइकल कैंसर से बचावं के लिए एचपीवी का टीका लगाया गया एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में 11051 एचपीवी टीके का लक्ष्य निर्धारित किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शहडोल जिले के मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल ब्यौहारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार,सिंहपुर, गोहपारू,

जयसिंहनगर एवं निपनिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी का टीका नि:शुल्क लगाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि एचपीवी वैक्सीनेशन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का अत्यंत कारगर और प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की भ्रांतियों से दूर रहें और अपनी 14 से 15 वर्षीय बच्चियों को एचपीवी का जीवनरक्षक टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा कि एचपीवी टीकाकरण के संबंध में सोशल मीडिया में प्रसारित भ्रामक एवं तथ्यहीन खबरो से दूर रहें। सर्वाइकल कैंसर के बचाव के लिए एचपीवी का टीका अत्यंत आवश्यक है, इससे कोई भी साइड इफेक्ट नहीं होता है।

त्यौहारों से पहले ब्यौहारी में शांति समिति की बैठक, सद्भाव और सुरक्षा पर बनी सहमति

ब्यौहारी। आगामी चैत्र नवरात्रि, ईद एवं झूलेलाल जयंती के मद्देनजर नगर में शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने को लेकर गुरुवार को थाना परिसर ब्यौहारी में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन, पुलिस एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर आवश्यक दिशा-निर्देश तय किए। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भागीरथ लहरे ने की, जबकि थाना प्रभारी जियाउल हक विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान नगर के प्रबुद्ध नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं पत्रकारों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सुझाव साझा किए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी धर्मावलंबी अपने-अपने त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।